**बिहार में परमाणु ऊर्जा केन्द्र की स्थापना संबंधी मांग**

1953. **श्री रामावतार शास्त्री:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार में बिजली की भारी कमी है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस कमी को दूर करने के लिए बिहार में किसी स्थान पर परमाणु ऊर्जा केन्द्र की स्थापना करने के लिए समय-समय पर मांग की जाती रही है; और

(ग) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

**प्रधान मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी):** (क) जी, हां।

(ख) और (ग). वैकल्पिक ईंधनों, उदाहरणार्थ कोयला, की उपलब्धता, यातायात सुविधाओं तथा अन्य तकनीकी एवं आर्थिक अपेक्षाओं जैसे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, बिहार राज्य की बिजली संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वर्तमान में उस राज्य में परमाणु बिजलीघर लगाने का कोई लाभ नहीं है।

**विधान सभा चुनावों के दौरान जख्मी होने वालों की राजनैतिक सम्बद्धता**

1954. **श्री रामावतार शास्त्री:**
**श्री सूर्य नारायण सिंह:**
**श्री पी. जे. कुरियन:**
**श्री वृद्धि चन्द्र जैन**
**श्री एस. आर. ए. एस. अप्पालानायडू:**
**श्री आर. के. महालगी:**

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हाल ही के राज्य विधान सभा चुनावों के दौरान राज्य-वार हताहत होने वालों की संख्या क्या थी और वे किन-किन राजनैतिक दलों से सम्बद्ध थे; और

(घ) इन हिंसक घटनाओं के कारण क्या हैं और सरकार द्वारा एठाये गये उपचारी उपायों का ब्यौरा क्या है?

**गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा):** (क) केन्द्रीय सरकार के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार हाल के विधान सभा चुनावों में 84 व्यक्ति मारे गए और 1674 व्यक्ति जख्मी हुए । राज्य-वार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है।

मारे गये/जख्मी हुए व्यक्ति किस दल से संबंध रखते थे, इसकी सूचना सहल उपलब्ध नहीं है।

(ख) हिंसक घटनाओं के कई कारण हैं, मुख्य कारण इस प्रकार है:--सीमित क्षेत्र में स्थानीय मुकाबला, जातिवाद और तनाव, ग्रुप राजनीति, 'पिछड़ो' और 'उन्नत' आधार पर मतदाताओं का ध्रुवीकरण, व्यक्तिगत इर्षा, पुराने विवाद और दुश्मनी, गहरी प्रतिद्वन्दिता, बहुत अधिक राजनैतिक बैर-भाव, सामाजिक आर्थिक तनाव और विभिन्न राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं में सहन शक्ति का अभाव ।

केन्द्र सरकार ने विधान सभा चुनावों के दौरान कानून और व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने के लिए संबंधित राज्य सरकारों को विस्तृत निर्देश जारी किए थे। राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रबंध करने की सलाह दी गयी थी कि अन्तर-पार्टी झगड़े न्यायसंगत चुनाव प्रचार साधनों में हस्तक्षेप और मतदाताओं का अभित्रास न हों। यह सुझाया गया था कि पुलिस को सतर्क रहना चाहिए, चुनाव की तारीख से कम से कम एक महीने पहले बड़ी संख्या में समाजविरोधी तत्वों के क्षेत्रों का सफाया करना चाहिए और दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के अधीन कार्रवाई शुरु करके उनके विरुद्ध निवारक कार्रवाही करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त राज्य सरकारों से जिला प्राधिकारियों पर कड़ी निगरानी बनाए रखने और गुण्डा तत्वों की गतिविधियों के विषय में आसूचना को तेज करने की आवश्यकता पर जोर देने का अनुरोध भी किया गया था। राज्य सरकारों से बिना लाईसेंस वाले हथियारों और गोला बारूद को

बरामद करने के लिए अभियान शुरू करने के लिए भी कहा गया था । राज्य सरकार को हरिजनों और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के लिए विशेष प्रबन्ध करने की भी सलाह दी गयी थी। कुछ राज्यों से प्रबंधों को सख्त करने के लिए कहा गया था ताकि "मतदान केन्द्र पर कब्जे" की घटनाएं हो सकें।

राज्यों को कानून और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार केन्द्रीय पुलिस बलों को सहायता दी गयी थी । वास्तव में कुछ राज्यों, जैसे उत्तर प्रदेश और बिहार के मामले में यह सहायता लोकसभा चुनावों में दी गयी सहायता से काफी अधिक थी।

विवरण

मई, 1980 में हुए विधान सभा चुनावों के दौरान मारे गए और जख्मी हुए व्यक्तियों की राज्यवार संख्या का विवरण ।

| क्र० सं० | राज्य का नाम | मारे गए व्यक्तियों की संख्या | जख्मी हुए व्यक्तियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | बिहार | 58 | 281 |
| 2 | गुजरात | 2 | 62 |
| 3 | मध्य प्रदेश | 1 | 97 |
| 4 | महाराष्ट्र | 1 | 309 |
| 5 | उड़ीसा | 2 | 71 |
| 6 | पंजाब | 2 | 70 |
| 7 | राजस्थान | शून्य | 114 |
| 8 | तमिलनाडु | 6 | 512 |
| 9 | उत्तर प्रदेश | 12 | 158 |
| | कुल | 84 | 1674 |

**Scarcity of Raw Materials for Cast Iron Products**

1955. SHRI NIREN GHOSH: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government are aware that non-availability of basic raw materials has become the main hurdle for export of Cast iron products; and

(b) if so, the steps Government propose to take in this matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) and (b). The main raw materials for manufacture of Cast Iron Products are pig iron and coal. During the year 1979-80 Steel Authority of India Limited had supplied 120,627 tonnes of pig iron for exports of 57 C No. 721 orders issued by Engineering Export Promotion Council, as against 106, 125 tonnes of pig iron supplied during 1978-79. Thus during the year 1979-80, the supply of pig iron for export was more by about 13.7 percent. For the year 1980-81 it has been planned to increase the supply of pig iron by about 8 per cent to the engineering export sector.

So far as the availabilty of coke is concerned, there is no distribution control for the same. However, there is some constrain in the availability of railway wagons for which the matter is taken up with Ministry of Railways, as and when specific problems are brought to the Ministry of Industry.

**Orders to HEC Ranchi**

1956. SHRI NIREN GHOSH: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether HEC, Ranchi has been shown of huge orders, which instead have been imported; and

(b) how much rolling mill equipment has been imported instead of getting them fabricated by HEC?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) No, Sir. Only those items of machinery and equipment have been allowed to be imported where HEC was not able to match quotations or